20-03-2000

समय अनुसार मनोबल के सेवा की आवश्यकता

आज बापदादा के पास गई तो बापदादा मुस्कराये, बहुत-बहुत यादप्यार दी और सभी दादियों के साथ खास जनक बच्ची को कहा कि अब तक

विचार सागर मंथन कर सबको अच्छी सूक्ष्म रूप में ले जाने, सुनाने, अटेन्शन देने की सेवा तो बहुत की है। अब फिर समय अनुसार सूक्ष्म मनोबल की सेवा की आवश्यकता है। इस सेवा के निमित्त आप बनो। जैसे साइन्स की शक्ति द्वारा राकेट एक जगह होते हुए भी जहाँ निशाना लगाने चाहें वहाँ दूर से ही लगा सकते हैं, ऐसे साइलेन्स पावर से, मन्सा बल से स्प्रीचुअल राकेट बन दूर-दूर की आत्माओं को अच्छे-अच्छे बाप के अनुभव कराओ, आवाज पहुंचें कि कोई बुला रहा है। नजदीक आने की प्रेरणा मिले। सेवा के निमित्त बनने का उमंग आवे। जैसे आदि में बच्चों को ब्रह्मा बाप की अनुभूति होती थी, ऐसे अब आप शक्तियों द्वारा अनुभव हो। बापदादा का भी निमित्त आप द्वारा अनुभव हो, ऐसे मनोबल की पावर को प्रैक्टिकल में लाओ। जैसे वाणी द्वारा बाप के बच्चे बनाये ऐसे और ही मन्सा बल द्वारा तीव्र गति वाली पावरफुल आत्मायें तैयार करो।